

नोएडा में क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स पर फोकस, लखनऊ का यू हब एप्लाइड एआई, हेल्थटेक पर केंद्रित होगा

लखनऊ और नोएडा में डीप टेक हब को मंजूरी

कैबिनेट फैसला

लखनऊ, विशेष संवाददाता। नोएडा और लखनऊ में यू हब (डीप टेक) बनाने का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। लखनऊ और नोएडा के यू हब में अलग-अलग तरह की तकनीकी विकास की सुविधा होगी। यू हब अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप, उद्योग, निवेशकों और शिक्षण संस्थानों को एक मंच पर जोड़ते हुए डीप टेक नवाचार के प्रमुख केंद्र बनेंगे। इसके लिए बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

100 करोड़ का बजट प्रस्तावित
यू-हब की स्थापना के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 100 करोड़ रुपये के प्रारंभिक बजट का प्रावधान किया गया है, जिसमें 70 करोड़ पूंजीगत व्यय तथा 30 करोड़ परिचालन व्यय के लिए निर्धारित हैं। तीन वर्षों की अवधि के लिए लक्ष्य 387.5 करोड़ का बजट प्रस्तावित है। यू-हब का मकसद डीप-टेक नवाचार, अनुसंधान के व्यवसायीकरण, उद्योगिता संवर्धन एवं निवेश के लिए विश्वस्तरीय मंच उपलब्ध कराना है। यह संस्था



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को पिलपार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने मुलाकात की। उन्होंने प्रदेश के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए आभार जताया।

राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार केंद्र बनेगा, अनुसंधान होगा

यू-हब उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर का प्रतिष्ठित डीप-टेक नवाचार केंद्र प्रदान करेगा, जिससे अनुसंधान के व्यवसायीकरण, निवेश संवर्धन, उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन, स्टार्टअप की सफलता दर में वृद्धि तथा उद्योग, अकादमिक संस्थानों एवं सरकार के मध्य सहयोग को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। यह पहल उत्तर प्रदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी डीप-टेक नवाचार गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्टार्टअप, उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों, निवेशकों एवं नीति निर्माताओं के मध्य सहयोग को बढ़ावा देते हुए राज्य को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेंगी।

11 सदस्यीय निर्णायक मंडल संचालन करेगा: यू-हब की स्थापना नोएडा एवं लखनऊ में द्वि-स्थलीय मॉडल के रूप में किया जाएगा। नोएडा केंद्र को क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, रक्षा

25 हजार वर्गफुट में सुविधाएँ विकसित की जाएंगी

आइक्यो सॉल्यूशन को उत्पादन की तिथि से राहत

कैबिनेट की बैठक में नोएडा में संचालित मेसर्स आइक्यो सॉल्यूशंस को कामर्शियल उत्पादन की तिथि में राहत दे दी गई। लेटर आफ कंफर्ट के अनुसार कंपनी को मार्च 2028 तक उत्पादन शुरू करना था लेकिन 15 अप्रैल 2028 को कंपनी ने उत्पादन शुरू किया। नियम शर्तों के मुताबिक कंपनी को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि नहीं मिल पायी। आइक्यो सॉल्यूशंस एलईडी लाइट और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट का निर्माण करती है। 437 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार दे रही है। कैबिनेट ने परिचालन तिथि दिए जाने की तिथि में राहत दे दी है।

जेवर लिंक एक्सप्रेस वे का रास्ता साफ, 6 लेन का होगा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। जेवर लिंक एक्सप्रेस वे को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ा जाएगा। कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। छह लेन का एक्सप्रेस वे 74.46 किमी लंबा होगा। भविष्य में इसे 8 लेन तक चौड़ा किया जा सकेगा। इसके निर्माण पर 8585.51 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नोएडा के भाईपुर ब्राह्मण से शुरू होगा और बुलंदशहर में बर्हपुर गांव पास गंगा एक्सप्रेस वे से जुड़ जाएगा। इससे जेवर एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेस वे तक सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी। जेवर लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण से गंगा एक्सप्रेस वे के किनारे विकसित

■ 74.46 किमी जेवर एयरपोर्ट से गंगा एक्सप्रेस वे को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी

किए जा रहे औद्योगिक पार्क, लॉजिस्टिक क्लस्टर को सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इससे कार्गो, ई-कॉमर्स, एक्सपोर्ट आधारीत उद्योगों में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। यमुना एक्सप्रेस वे को भी कनेक्ट करेंगे। जेवर लिंक एक्सप्रेस पर अंडरपास सात, छोटे पुल 11, बड़े पुल 3, दो बड़े अंडरपास, एक फ्लाईओवर, चार रेलवे ओवरब्रिज बनाए जाएंगे।

विकसित किया जाएगा।

यू-हब राज्य सरकार के नियंत्रण में काम करेगा। इसके संचालन के लिए 11 सदस्यीय निदेशक मंडल का गठन किया जाएगा। इसके अध्यक्ष आईआईटी कानपुर के निदेशक पदेन

होंगे। संस्था के संचालन के लिए एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया जाएगा। यह दोनों केंद्रों के संचालन, निवेश, साझेदारी विकास तथा प्लानिंग के लिए जिम्मेदार होगा।

प्रौद्योगिकी एवं एडवांस बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित किया जाएगा, जबकि लखनऊ केंद्र को एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, इंडस्ट्रियल एआई तथा कृषि जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के लिए